संपादकीय

गोधन न्याय योजना अच्छी, पर राह कच्ची

छत्तीसगढ़ में भूपेश सरकार ने महत्वाकांक्षी गोधन न्याय योजना की घोषणा की है जिसे हरेली के पावन दिवस से प्रारंभ की जाएगी। योजना के संबंध में दिशानिर्देश भी शासन ने जारी कर दिया है। यह देश में गौवंश के संरक्षण और पशुपालकों की सहायता के लिए अच्छी सोच का परिणाम है। लेकिन जैसे शासकीय योजनाओं के साथ अक्सर होता है, नौकरशाही की रुचि नहीं होने और जल्दी परिणाम की उम्मीद में जब तेज भागने लगते हैं तो योजना हांफने लगती है, गोधन योजना के साथ इस परिणाम की संभावना अधिक है। इसलिए सरकार को इस योजना को लागू करने में और अच्छा परिणाम पाने के लिए थोड़ा धीरज रखने की जरूरत है।

गोबर की सरकारी खरीद करने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, इसलिए बिना किसी अनुभव के योजना को प्रारंभ करना मुश्किल होता है। इस बात में कोई शक नहीं है कि गाय के गोबर और मूत्र से अनेक उत्पाद बनाकर लाभकारी व्यवसाय किए जा सकते हैं। दूसरी ओर छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में आवारा घूमने वाली गाय बड़ी समस्या है और ऐसा इसलिए हो रहा है कि दूध नहीं दे पा रही गायों को मालिक बोझ समझ कर खुला छोड़ देते हैं। गोधन न्याय योजना से ऐसी गायों को वापस मालिक अपने घरों में रखेंगे, ऐसी उम्मीद सरकार को है। गोबर और गोमूत्र के व्यवसिक महत्व को ध्यान में रखकर पिछले बजट में केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय कामधेनु आयोग का गठन किया है जिसमें 500 करोड़ रुपए की राशि दी गई है। इस आयोग का उद्देश्य भी गोबर और गोमूत्र आधारित उत्पादन को बढ़ावा देना है।

छत्तीसगढ़ में योजना की घोषणा के बाद शीघ्रता से लागू करने की तिथि व 2 रूपए प्रति किलग्राम की दर से गोबर खरीदने की कीमत भी तय कर दी गई है। योजना की शुरूआत हरेली त्यौहार, 20 जुलाई से हो रही है। सरकार की इस योजना का सही तरीके से क्रियान्वयन हो जाए तो प्रदेश के गौपालकों के साथ गांवों के स्व सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं व पुरुषों को भी रोजगार मिलेगा, आय का जरिया बनेगा। साथ ही वन और उद्यानिकी विभाग अपनी नर्सरी के लिए करोड़ों रुपए की वर्मीकम्पोस्ट की खरीद करते हैं, इस राशि का भुगतान स्व सहायता समूहों को होगा। इस योजना के उद्देश्य के अनुसार वर्मीकम्पोस्ट का खेती में अधिकाधिक उपयोग से कृषि की लागत कम होगी, वहीं जैविक कृषि को बढ़ावा मिलेगा। गोबर का उपयोग गोबर गैस द्वारा विद्युत उत्पान संयंत्र स्थापित करने और घरों में गोबर गैस के उपयोग को बढ़ावा मिल सकता है। अगर निजी कंपनियों को अवसर दें तो कई उद्यम गोबर के इंधन के रूप में स्थापित हो सकते हैं। लेकिन यह योजना को लागू करने से पहले सरकार को अपनी तैयारियां करनी होगी। सरकार को गोपालको को लाभ देने की शीघ्रता हो सकती है लेकिन यह योजना लागू करने में उतनी आसान नहीं है, इसलिए योजना के क्रियान्वयन से पहले प्रशासकीय तैयारी आवश्यक है। सबसे पहले तो प्रत्येक गौपालक के गाय की संख्या का सर्वेक्षण करना चाहिए। इससे प्रति गाय, प्रति गांव कितनी गाय की गोबर खरीदनी है, इसका मूल्यांकन हो सकेगा। इस प्रक्रिया से गाय व अन्य गोवंश मवेशियों की टैगिंग हो सकती है जिससे आवारा घुमते पकड़े जाने पर मालिक की पहचान कर जुर्माना या अन्य दण्ड आरोपित किया जा सकता है। इसके साथ गोबर के उपयोग की कार्य योजना बनाने की जरुरत है क्योंकि प्रतिदिन गोबर की आवक होगी अगर समय पर इसका प्रबंधन नहीं किया तो हानि होगी। पशु गणना 2019 के अनुसार प्रदेश में लगभग 112 लाख गाय, बैल और भैंस हैं। इनमें से 2.67 लाख गाय विदेशी नस्ल की हैं तथा लगभग 12 लाख भैसवंशीय मवेशी हैं। यह भी विदित है कि जनगणना के आँकड़ों और वास्तविक आंकड़े में अंतर होता है। अभी योजना के जिस स्वरूप की घोषणा हुई है उसमें यह स्पष्ट नहीं है कि गोबर केवल देशी गाय और बैलों की खरीदेगी या विदेशी नस्लों की गायों की गोबर भी खरीदे जाएंगे क्योंकि देशी गाय औसतन प्रतिदिन 8 से 10 किलोग्राम गोबर देती हैं वहीं विदेशी नस्ल की गायें औसतन 30 से 35 किलोग्राम गोबर देती हैं। अगर मानें कि पशु गणना के आधे मवेशियों के गोबर सरकार खरीद पाएगी तो प्रतिदिन 50 लाख गोवंशों के 5 करोड़ किलो गोबर की खरीदी की जाएगी।

अबअधिक आसानी के आईटीआर दाखिल पाएंगे आयकरदाता

टैक्सपेयर्स को फॉर्म 26 एएस में दिखेगा बदलाव

नईदिल्ली। टैक्सपेयर्स को अब फॉर्म 26 एएस में बदलाव देखने को मिलेगा। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा है कि नए 26एस फॉर्म के जरिए आयकरदाता और अधिक आसानी से और सटीक रूप से अपना इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल कर पाएंगे। इस असेसमेंट ईयर से टैक्सपेयर्स को नया 26 एएस फॉर्म उपलब्ध होगा जिसमें टैक्सपेयर्स की वित्तीय लेनदेन की अतिरिक्त जानकारियां होंगी, जिनका विभिन्न कैटिगरी के फाइनेंशल ट्रांजेक्शन (एसएफटी) में जिक्र होता है।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट द्वारा इन एसएफटी से प्राप्त जानकारी को फॉर्म 26 एएस के पार्ट ई में दिखाया जा रहा है। सीबीडीटी प्रवक्ता सुरभी अहलुवालिया ने कहा, इससे टैक्सपेयर्स अपने टैक्स की ठीक से गणना कर पाएंगे और वे अच्छा महसूस करेंगे। इससे टैक्स प्रशासन में पारदर्शिता आएगी और जवाबदेही बढ़ेगी। पहले फॉर्म 26 एएस में किसी पैन कार्ड से जुड़े टीडीएस और टीसीएस की जानकारी के अलावा कुछ अन्य टैक्स की सूचना होती थी। लेकिन अब इसमें एसएफटी होगी।

भारत में अमेरिका का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 40 अरब डॉलर के पार

वाशिंगटन। अमेरिका से भारत को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का आंकड़ा इस साल अब तक 40 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। भारत पर केंद्रित एक लॉबिंग समूह का कहना है कि यह देश के प्रति अमेरिकी कंपनियों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। अमेरिका-भारत रणनीतिक एवं भागीदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के अध्यक्ष मुकेश अघी ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बीच अमेरिकी कंपनियों ने भारत के प्रति काफी भरोसा दिखाया है, जबकि इस दौरान दुनिया की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। यूएसआईएसपीएफ भारत में अमेरिकी की ओर से बड़ी एफडीआई पर नजर रखता है। अघी ने कहा कि आज की तारीख तक भारत में अमेरिका से निवेश 40 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। उन्होंने गूगल, फेसबुक और वॉलमार्ट जैसी बड़ी कंपनियों के निवेश का जिक्र करते हुए कहा कि हाल के सप्ताहों में ही अमेरिका की ओर से भारत में 20 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी निवेश किया गया है। उन्होंने कहा, ''भारत के प्रति निवेशकों का भरोसा काफी ऊंचा है। भारत अब भी विदेशी निवेशकों के लिए काफी आकर्षक बाजार है। हाल में सिर्फ अमेरिका से 20 अरब डॉलर का ही निवेश नहीं आया है, बल्कि पश्चिम एशिया और सुदूर-पूर्व से भी निवेश आया है।

संन्यास के बाद कपिल देव की सलाह काम आई: द्रविड़

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ ने कहा कि महान ऑलराउंडर कपिल देव की सलाह ने उन्हें संन्यास के बाद विकल्प तलाशने में मदद की। कपिल की सलाह के के बाद उन्होंने भारत ए और अंडर-19 टीमों के कोचिंग पद की जिम्मेदारी संभाली। द्रविड़ ने कहा कि वह थोड़े भाग्यशाली भी रहे कि अपने करियर के अंत में वह इंडियन प्रीमियर लीग की टीम राजस्थान रायल्स (क्रू) में कप्तान-सह-कोच की भूमिका निभा रहे थे। द्रविड़ ने कहा, खेलना बंद करने के बाद बहुत ही कम विकल्प थे और मुझे पता नहीं चल रहा था कि क्या करना चाहिए। तो कपिल देव ही थे जिन्होंने मुझे सलाह दी और ऐसा मेरे करियर के अंत के दौरान ही हुआ था। उन्होंने कहा, मैं उनसे कहीं मिला और उन्होंने कहा, राहुल सीधे जाकर कुछ भी मत करो, पहले कुछ समय सिर्फ देखो और अलग अलग चीजें करो और फिर देखो कि तुम्हें वास्तव में क्या पसंद है। मुझे लगा कि यह अच्छी सलाह है। इस महान क्रिकेटर ने कहा कि शुरू में उन्हें कॉमेंटरी करना पसंद आया था, लेकिन बाद में उन्हें लगा कि वह खेल से थोड़े दूर हैं।

अगले हफ्ते से इंग्लैंड में स्टेडियम जा सकेंगे खेल प्रशंसक

लंदन। दर्शकों को अगले हफ्ते से इंग्लैंड में कुछ खेल प्रतियोगिताओं के लिये स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति दी जायेगी। इंग्लैंड की योजना अक्टूबर में स्टेडियमों को व्यापक रूप खोलने की है लेकिन उससे पहले वह चाहता है कि कोरोना वायरस को रोकने के लिये उठाये गये कदमों का परीक्षण किया जाये। मार्च के बाद 26 और 27 जुलाई को घरेलू क्रिकेट पहली खेल स्पर्धा होगा जिसमें दर्शकों को स्टेडियम में जाने की अनुमति दी जायेगी।

एचडीएफसी बैंक का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 20 प्रतिशत बढ़कर 6,659 करोड़

नयी दिल्ली (आरएनएस)। एचडीएफसी बैंक का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) का एकल शुद्ध लाभ करीब 20 प्रतिशत बढ़कर 6,658.62 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बैंक के ऋण में अच्छी वृद्धि से उसकी ब्याज आय अच्छी रही है, जिससे मुनाफा बढ़ा है। देश के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक ने इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 5,568.16 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी आय बढ़कर 34,453.28 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 32,361.84 करोड़ रुपये रही थी। मुंबई के बैंक ने कहा, ''तिमाही के दौरान उसकी शुद्ध ब्याज आय 17.8 प्रतिशत बढ़कर 15,665.4 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 13,294.3 करोड़ रुपये थी। इस दौरान बैंक के ऋण या अग्रिम में 20.9 प्रतिशत और जमा में 24.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।'' तिमाही के दौरान शुद्ध ब्याज मार्जिन 4.3 प्रतिशत रहा। संपत्ति के मोर्चे पर बैंक की सकल गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) 30 जून को समाप्त तिमाही में घटकर 1.36 प्रतिशत रह गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1.40 प्रतिशत थीं।

ट्रेनिंग कैंप हेतु अहमदाबाद और धर्मशाला भी ऑप्शन

दुबई में हो सकता है आईपीएल

नईदिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के ट्रेनिंग कैंप के आयोजन की दौड़ में संयुक्त अरब अमीरात सबसे आगे है। इसके अलावा अहमदाबाद और धर्मशाला भी ऑप्शन हैं जिन पर बीसीसीआई की शीर्ष परिषद (एपेक्स काउंसिल) की बैठक में चर्चा की गई। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए इंडियन प्रीमियर लीग दुबई में सितंबर के आखिर से नवंबर तक हो सकता है।

भारतीय क्रिकेटर भी दुबई में अभ्यास बहाल कर सकते हैं। बोर्ड की एपेक्स काउंसिल की आनलाइन बैठक में इस मसले पर बात की गई लेकिन अंतिम फैसला आईपीएल की संचालन परिषद लेगी। बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा, 'आईपीएल दुबई में होता है तो ही भारतीय क्रिकेटरों के वहां अभ्यास करने का कोई मतलब है। वहां अच्छा बुनियादी ढांचा है। आईपीएल कहीं होने की संभावना अधिक है क्योंकि कोरोना महामारी के चलते भारत असुरक्षित होता जा रहा है।'

संजय दत्त थे बाहुबली के कटप्पा के लिए पहली पसंद

बॉलिवुड की सबसे सुपरहिट और लोकप्रिय फिल्मों की बात की जाएगी तो उसमें बाहुबली सीरीज का नाम जरूर होगा। इस फिल्म के हर किरदार को लोगों का भरपूर प्यार मिला था। इन किरदारों में एक कटप्पा भी था जो साउथ के ऐक्टर सत्यराज ने निभाया था। हालांकि अब पता चला है कि इस किरदार के लिए संजय दत्त को लिया जाना था। जानें, आखिर संजय दत्त क्यों नहीं बन पाए कटप्पा।

बताया जाता है कि जब कटप्पा के रोल के लिए संजय दत्त से संपर्क किया गया था तो उस समय वह जेल में अपनी सजा काट रहे थे। इस कारण उन्होंने यह रोल छोड़ दिया था लेकिन सोचिए, अगर संजय को कटप्पा का किरदार निभाना पड़ता तो कैसे लगते। भले ही संजय दत्त ने कटप्पा का रोल छोड़ दिया हो लेकिन सत्यराज ने भी इस किरदार को अमर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। फैन्स जब भी बाहुबली को याद करेंगे उन्हें कटप्पा का किरदार हमेशा दिमाग में ताजा बना रहेगा।

वैसे संजय दत्त को निगेटिव किरदारों में काफी पसंद किया गया है। संजय ने अग्निपथ में कांचा चीना का किरदार निभाया था जिसे काफी पसंद किया गया था। हाल में पानीपत में अहमद शाह अब्दाली के किरदार में भी वह काफी जंचे थे। बाहुबली में शिवगामी का किरदार राम्या कृष्णन ने निभाया था। हालांकि पहले यह किरदार श्रीदेवी को ऑफर हुआ था। वैसे राम्या ने भी शिवगामी का किरदार बेहतरीन तरीके से निभाया था।

कपड़ों को लेकर सोनम कपूर पर गुस्सा हुई थी एक बड़ी ऐक्ट्रेस

ऐक्ट्रेस सोनम कपूर अपनी फिल्मों से ज्यादा फैशन के लिए जानी जाती हैं। उन्हें एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में फैशन ट्रेंड सेटर के रूप में भी जाना जाता है। यह नाम उन्हें इसलिए भी दिया गया है क्योंकि जब भी कोई नया स्टाइल या ट्रेंड आता है, तो ज्यादातर बार सोनम ही उसे सबसे पहले फॉलो करती नजर आती हैं। वह विदेश में भी चल रहे स्टाइल ट्रेंड्स को क्लोजली फॉलो करती हैं। हालांकि, उनकी इस खासियत ने उन्हें कई बार दूसरी ऐक्ट्रेसेस से खरी-खोटी भी सुनवाई।

सोनम ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह हमेशा नए और बेहतर स्टाइल में नजर आती हैं, जो उन्हें ट्रेंड सेटर बना देता है। इस वजह से कई ऐक्ट्रेसेस उन्हें स्टाइल में बढ़े कॉम्पिटिशन के लिए दोषी मानती हैं। कई ऐक्ट्रेसेस मुझे दोष देती हैं और खरी-खोटी सुनाती हैं। मुझे याद है कि एक बार एक बड़ी अदाकारा ने मुझसे कहा था कि सोनम तुमने आखिर ऐसा क्यों किया? क्या तुम्हें अंदाजा भी है कि मुझे अपनी स्टाइलिस्ट को कितना बड़ा अमाउंट देना पड़ रहा है?

सोनम ने बताया था कि बात जब फैशन की हो, तो या तो उनकी बहन या फिर वह खुद अपने कपड़े और स्टाइल को सिलेक्ट करती हैं। इस वजह से उन्हें अलग से स्टाइलिस्ट पर कोई पैसे खर्च नहीं करने पड़ते हैं। सोनम का मानना है कि जो जैसा है उसे वैसा ही रहना चाहिए और उसी के मुताबिक, चीजों का चुनाव करना चाहिए।

ऐक्ट्रेस ने यह भी जाहिर किया था कि उन्हें फैशनिस्टा कहलाया जाना पसंद नहीं हैं। इसकी जगह वह स्टाइलिश कहलाना पसंद करती हैं। उनका मानना है कि वह फैशनिस्टा नहीं, बल्कि ऐसी शख्स हैं, जिसे स्टाइल में रहना पसंद है।

आज का राशिफल

मेष: कार्यक्षेत्र में अगर आप यह महसूस कर रहे हैं कि आपको रिस्क लेना पड़ सकता है, तो ऐसे में आप आज इस मामले में अकेले पड़ सकते हैं।

वृषभ: आज आप अपने कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाई महसूस कर सकते हैं। हो सकता है कि ऐसा एक साथ कई प्रकार के काम हाथ में लेने के चलते हो।

मिथुन: काफी समय के बाद आज आपको अपने व्यक्तिगत जीवन पर सोच-विचार करने की फुर्सत मिलेगी।

कर्क: आज का दिन काफी व्यस्त रहने वाला है। एक के बाद एक काम लाइनअप होंगे। शाम तक थकान महसूस होगी।

सिंह: आज के दिन आपको अपने कामकाज के अलावा रोमांस और मन की इच्छाओं का भी ध्यान रखना पड़ेगा।

कन्या: अपने जीवन में रचनात्मक कार्य की बजाय प्रेम, रोमांस और लक को ही आपने ज्यादा महत्व दिया है।

तुला: अपने स्वास्थ्य को लेकर आज के दिन आपको कुछ जरूरी कदम उठाने चाहिए। अन्यथा आपकी सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिल सकता है।

वृश्चिक: आपके जीवन में इस समय कई प्रकार के बदलाव और उतार-चढ़ाव आ रहे हैं। इसमें काफी कुछ सुखद अनुभव होंगे। मन प्रसन्न रहेगा।

धनु: आपके जीवन में नफरत और प्रेम का लेखा-जोखा बराबर रहता है। आपमें से कई लोग ऐसे हैं जिनको इन दिनों अपने गृहस्थ जीवन को संवारने में काफी मेहनत करनी पड़ रही है।

मकर: आज के दिन आप अपने करियर को लेकर कुछ ज्यादा ही सजग होंगे। परिवार के प्रति भी अपने दायित्वों को निर्वहन करेंगे।

कुंभ: आज आपको अपने मन पर नियंत्रण रखना होगा। वरना हो सकता है कि कार्यक्षेत्र में आपका काम काफी डिस्टर्ब हो। गणेश जी कहते है कि दिन में दो बार शिव जी की पूजा करें एवं प्रसाद के रूप में नारियल व बेल का फल चढ़ाएं।

मीन: बुध ग्रह की सहायता से आप अपने कार्यक्षेत्र में इस समय अच्छी ख्याति और यश बटोर सकते हैं। अगर कार्यों के प्रति गंभीरता रखेंगे तो आपको लाभ ही लाभ मिल सकता है।

महकती सांसों के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे, दूर होगा दांतों का भद्दापन

चेहरे की सुंदरता काफी हद तक हमारी स्माइल पर निर्भर करती है और हमारी स्माइल को सुंदर बनाते हैं हमारे दांत। अगर आपके दांत पीले या भद्दे होते हैं तो चेहरा कितना ही खूबसूरत क्यों ना हो आपका आकर्षण कम हो ही जाता है। साथ ही सांसों की दुर्गंध से मन खराब होता है। यहां जानें, दांतों का पीलापन और सांसों की दुर्गंध दूर करने के आसान और घरेलू तरीके...

काले कोयले से सफेद दांत- कोयले से मंजन करना, जानकर आपको थोड़ा अजीब जरूर लगेगा कि आखिर काला कोयला दांत कैसे चमका सकता है? लेकिन सच्चाई यही है कि यह आपके दांत मोतियों की तरह चमका सकता है। पता कीजिए पहले गांवों में कोयले के चूर्ण से ही दांत साफ किए जाते थे। आप बाजार से लकड़ी का जला हुआ कोयला ला सकते हैं और इसका चूर्ण बनाकर दांतों को चमका सकते हैं।

सरसों का तेल और नमक- नमक में सरसों का तेल मिलाकर इस मिक्चर से सुबह के वक्त और रात को सोने से पहले मंजन करें। नमक और सरसों तेल का यह मिश्रण कुछ ही दिनों के इस्तेमाल से आपके दांतों चमक बढ़ा देगा।

नींबू का रस- नींबू में साइट्रिक एसिड होता है, जो सफेद चीजों की चमक बढ़ाने का काम करता है। साथ ही नींबू से सांसों की दुर्गंध दूर होती है। आप दांतों पर नींबू का छिलका हर रोज दिन में दो बार करीब 10-10 मिनट के लिए रगड़ें तो आपको फायदा जरूर होगा। इस छिलके से दांत रगड़ते वक्त इस पर सरसों तेल और नमक का मिश्रण भी लगा सकते हैं।

बेकिंग सोडा और नमक- बेकिंग सोडा और नमक बराबर मात्रा में मिलाकर इससे मंजन करने से दांतों का पीलापन दूर होता है और मुंह में पायरिया की दिक्कत नहीं होती। इसके साथ ही सांसों में ताजगी रहती है।

शब्द सामर्थ्य- 87

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नजदीक, समीप 21. सुबह, प्रात:, सबेरा।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 86 का हल

अ	भि	षे	क		प	स		
जा	त		थ	प	थ	पा	ना	
य	र	का	नी		ध्र		र	श्मि
ब	घा	र		क	ष्ट	प्र	द	
	त	ना	त	नी		वं		ब
अ		मा		ज	मा	त		ल
स	जा					क	ज	रा
बा		बे	स	हा	रा		ग	म
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त	

सू-दोकू- 87

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.86 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2